Publication: Navbharat Times

Headline: Traders to stay away from silver on wild price swings

Edition: All Editions

Date: 26th July, 2011

Coverage

कीमतों में उतार-चढ़ाव के चलते चांदी से दूर करोबारी

माधवी सैली / सुतानुका घोषाल
अहमदाबाद / कोलकाता

कारोबारी, ज्वैलर और ग्राहक चांदी में निवेश करने से पहले इंतजार करो और देखो की नीति अपना रहे हैं। धातु की कीमतें एक सप्ताह पहले 55,000 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 60,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई हैं, और अब यह 58,000 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर है। सर्राफा डीलरों का कहना है कि इस उठापटक के चलते ज्वैलरी बनाने वाले चांदी खरीदने में हिचकिचाहट दिखा रहे हैं। राखी के त्योहार से पहले अगस्त के मध्य में बिक्री बढ़ने की उम्मीद है।

राखी पर बिक्री बढ़ने की उम्मीद

धातु की कीमतें एक सप्ताह पहले 55,000 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 60,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई हैं, और अब यह 58,000 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर है। सर्राफा डीलरों का कहना है कि कीमतों में इस उठापटक के चलते ज्वैलरी बनाने वाले चांदी खरीदने में हिचकिचाहट दिखा रहे हैं। राखी के त्योहार से पहले अगस्त के मध्य में बिक्री बढ़ने की उम्मीद है

ऋद्धि सिद्धि बुलियन के निदेशक मुकेश कोठारी ने कहा कि अगर कीमतें कम रहती हैं, तो राखी के त्योहार के आसपास चांदी की मांग बढ़ सकती है। कोठारी ने कहा, 'चांदी कीमतों को लेकर संवेदनशील रहने वाली कमोडिटी है और हमारा मानना है कि खरीदार सही दाम तक पहुंचने के लिए वक्त ले रहे हैं। जैसे-जैसे कीमत बढ़ेगी, मांग में कमी आएगी, क्योंकि खरीदार गिरावट का इंतजार कर रहे हैं। निवेशक और उद्योगों को आपूर्ति करने वाले सप्लायर काफी सक्रिय हैं और इसके नई ऊंचाई पर पहुंचने पर ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने के लिए बेकरार हैं।'

ऋद्धि सिद्धि बुलियन की मार्केटिंग टीम फिलहाल राखी सीजन के लिए प्रमोशनल इवेंट पर काम कर रही है। पार्कर एग्रो के मालिक सोनी भारत रतिलाल ने कहा, 'मानसून और कोई त्योहार या शादी का सीजन न होने की वजह से जुलाई में बिक्री करीब 20 फीसदी कम रहने की आशंका है। हमें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में बिक्री में इजाफा होगा।' कंपनी हर महीने 1.5 से 2 टन चांदी का कारोबार करती है।

नकोदा बुलियन के प्रॉपराइटर ललित जगावत का कहना है कि राखी सीजन के दौरान लोग चांदी की बनी भगवान की मूर्तियों, ग्लास और प्लेट में निवेश करते हैं। उन्होंने कहा, 'यहां तक कि वे उद्देश्य के साथ चांदी की राखी खरीदते हैं, जो बाद में निवेश में तब्दील हो जाती है। निवेशकों की पसंद की बात करें, तो सिक्के और बार दांव मार ले जाते हैं। इसके अलावा हमारी कंपनी ने पूर्ण रूप से निवेश उद्देश्य के लिए 1 किलोग्राम का चांदी बार पेश किया है।'